जनवरी 2026 अंक 10, खंड 9

PARIVARTAN
परिवर्तन

परिवर्तन पत्रिका

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : +91 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

सब्जी उत्पादन में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है

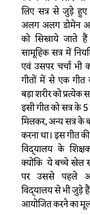

कृषि से जुड़े किसानों को परिवर्तन की तरफ से नियमित रूप से विभिन्न प्रकार के खेली कौशल और विभिन्न फसल के उत्पादन सम्बंधित आवश्यक जानकारियों से अवगत करवाया जाता है। इसी विचार के तहत दिनांक 8 जनवरी 2026 को परिवर्तन परिसर में पोषण वाटिका सह सब्जी उत्पादन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 45 महिला किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सब्जी उत्पादन के लाभ,

उत्पादन एवं प्रबंधन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गयी। विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि पोषण वाटिका न केवल परिवार को संतुलित आहार उपलब्ध कराती है बल्कि स्वास्थ्य सुधार एवं कुपोषण कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सीमित स्थान में भी पोषण वाटिका स्थापित कर परिवार की पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सकती है। प्रतिभागियों को मौसमी सब्जियों के चयन, वर्षभर की फसल कैलेंडर योजना तथा पोषण तत्वों से भरपूर सब्जियों को दैनिक आहार में शामिल करने की विधियों पर जानकारी दी गयी। इसके साथ ही अगेती सब्जी उत्पादन हेतु नर्सरी तैयार करने की तकनीक पर भी प्रकाश डाला गया जिससे समयबद्ध उत्तम उत्पादन संभव हो सके। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को परिवर्तन परिसर में स्थापित पोषण वाटिका का भ्रमण भी करवाया गया। इस दौरान उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ और प्रशिक्षण में दी गयी जानकारी को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला। साथ ही साथ प्रतिभागियों को अपने अपने समुदाय में स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता फ़ैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

खेल के जरिये बच्चों का सामाजिक और मानसिक विकास हो रहा है

सामुदायिक खेल इकाई उमंग द्वारा खेल के प्रति बच्चों की रूचि बढ़ाने के उद्देश्य से समय-समय पर कई महत्वपूर्ण खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में इस माह में एक नयी गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नाम था गीत प्रतियोगिता। यह प्रतियोगिता उन बच्चों के लिए थी जो खेल विकास के लिए सत्र से जुड़े हुए हैं। सत्र के दौरान अलग अलग डोमेन आधारित गीत बच्चों को सिखाये जाते हैं जिसे वो अपने सामूहिक सत्र में नियमित रूप से गाते हैं एवं उसपर चर्चा भी करते हैं। इन्ही सारे गीतों में से एक गीत का चयन,- कितना बड़ा शरीर को प्रत्येक सत्र को दिया गया है। इसी गीत को सत्र के 5 बच्चों को एक साथ मिलकर, अन्य सत्र के बच्चों के बीच प्रस्तुत करना था। इस गीत की तैयारी में सम्बंधित विद्यालय के शिक्षक भी शामिल रहे क्योंकि ये बच्चे खेल सत्र से तो जुड़े ही हैं पर उससे पहले आवश्यक रूप से विद्यालय से भी जुड़े हैं। इस गतिविधि को आयोजित करने का मूल उद्देश्य इन बच्चों को एक मंच देना था जहाँ पर वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। साथ ही साथ खेल सत्र से जुड़ने के बाद उनके अन्दर आये आत्मविश्वास एवं गीत प्रस्तुति का कौशल भी देखा जा सके और उसे प्रोत्साहित किया जा सके और उनके अन्दर छुपे डर को समाप्त किया जा सके। इसी सोच के तहत दिनांक 18 जनवरी 2026 को इस गीत प्रतियोगिता का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया गया। इस आयोजन में अलग अलग गाँवों से कुल 18 टीमों ने भाग लिया। इन सभी टीमों में कुल मिलाकर 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इतना बड़ा शरीर गीत की प्रस्तुति सभी 18 टीमों द्वारा हाव भाव के साथ की गयी। सभी टीमों की प्रस्तुति को देखने एवं उसका आंकलन करने हेतु निर्णायक दल भी बनाया गया था। इस निर्णायक दल द्वारा सभी टीमों की प्रस्तुतियों को देखा गया एवं भवराजपुर को प्रथम स्थान, बलिया टीम को दूसरा स्थान एवं नरेन्द्रपुर टीम को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। सभी विजेता प्रतिभागियों को परिवर्तन की तरफ से सम्मानित भी किया गया।

बच्चों की अवलोकन क्षमता का विस्तार आवश्यक है

परिवर्तन की कला इकाई, घरौंदा द्वारा बच्चों के अन्दर चित्रकारी की रूचि को बढ़ाने के उद्देश्य से समय समय पर अलग अलग तरह की कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इस माह में भी दिनांक 11 जनवरी 2026 को बाहय चित्रण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों को बंद कमरे से बाहर निकालकर प्रकृति से जुड़ने का मौका दिया गया। कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों ने कमरे से बाहर निकलकर परिवर्तन परिसर के अलग अलग स्थानों का भ्रमण किया एवं प्रत्येक वस्तु का अवलोकन किया। अवलोकन करने के बाद उन्होंने अपनी निजी समझ अनुसार कलाकृति बनाने का प्रयास किया। इस दौरान बच्चों द्वारा परिवर्तन ऑफिस, गेस्ट हाउस, अलग अलग भवन, बागवानी में पेड़ पौधे, झुला, टेराकोटा की बनी मूर्तियाँ, पोखर, मुक्ताकाश मंच आदि का स्केच किया और उसमें अपनी समझ से रंग भी भरने का प्रयास किया। बच्चे इस क्रम में कमरे के बाहर की सुन्दरता को देख सके। भवन, पेड़ पौधे एवं विभिन्न वस्तुओं की बनावट, प्रकाश एवं छाँह को उन्होंने महसूस किया इस दौरान उन्होंने खाली सुन्दर वस्तु ही नहीं बल्कि प्रकृति से जुड़े यथार्थ को भी अपनी कला में स्थान दिया। इस कार्यशाला के दौरान कुल 37 बच्चों ने भाग लिया।

ग्रामीण रंगमंच के कलाकारों को मिला एक सुसज्जित सांस्कृतिक मंच

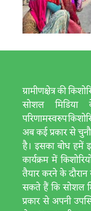

फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी मारे गए गुलफाम उर्फ़ तीसरी कसम का नाट्य रूपांतरण पुंज प्रकाश ने किया जिसका निर्देशन देश के सुप्रसिद्ध नाट्य निर्देशक संजय उपाध्याय ने किया। परिवर्तन की सामुदायिक रंगमंच इकाई रंगमंडली द्वारा इसका प्रदर्शन अर्थशिला के उद्घाटन सत्र में किया गया। अर्थशिला पटना,- बिहार का एक सुसज्जित सांस्कृतिक केंद्र है। यह नाटक संगीत, शिल्प कला,सिनेमा एवं कई दृश्य कलाओं का केंद्र हैं। इस केंद्र के उद्घाटन सत्र में परिवर्तन के ग्रामीण कलाकारों के दल ने अपनी सांगीतिक प्रस्तुति दी। इस सांगीतिक प्रस्तुति में 24 जनवरी 2026 को सामुदायिक रंगमंच ने चारुल विनय, नजीर, कबीर, स्वानंद किरकिरे एवं अन्य रचनाकारों के गीतों की प्रस्तुति की। इस सांगीतिक प्रस्तुति की पटना और देश के अन्य हिस्सों से

आये दर्शकों ने खूब सहरना की। इसी श्रृंखला में 25 जनवरी 2026 को अपनी संगीतमय नाट्य प्रस्तुति मारे गए गुलफाम उर्फ़ तीसरी कसम का प्रदर्शन किया। इन दोनों प्रदर्शनों को लगभग 300 दर्शकों ने देखा एवं सराहा।

हमारी लोक संस्कृति का संरक्षण एवं बढ़ावा जरुरी है

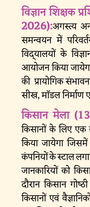

गणतंत्र दिवस हमारे आधारभूत मूल्यों और सिद्धांतो को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। जब हम उनमें से किसी एक

बुनियादी सिद्धांत पर चिंतन करते हैं तो स्वाभाविक रूप से अन्य सभी सिद्धांतो पर भी हमारा ध्यान जाता है। सांस्कृतिक मान्यताओं और परम्पराओं की विविधता हमारे लोकतंत्र का अन्तर्निहित आयाम है। इन्ही मूल्यों को बताने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी परिवर्तन परिसर में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में निर्धारित समय पर झंडोत्तोलन के बाद दो कतार में कतारबद्ध होकर पूरी परिवर्तन टीम सांस्कृतिक जुलूस के रूप में शहीद उमाकांत सिंह स्मृति एवं गाँधी स्मृति नरेन्द्रपुर गयी एवं वहां पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद परिसर के मुक्ताकाश मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान हमारी संस्कृति हमारा धरोहर विषय पर केन्द्रित कई छोटे-बड़े कार्यक्रम, गीत-संगीत और नाटक आयोजित किए गए। बच्चों की यह प्रस्तुतियां सभी को बेहद पसंद आई ।

किशोरियों की सामूहिक रचनात्मकता प्रभावित हो रही है

ग्रामीणक्षेत्र की किशोरियों पर बढ़ते जा रहे सोशल मिडिया के दुष्प्रभाव के परिणामस्वरुप किशोरियों की रचनात्मकता अब कई प्रकार से चुनौतियों से घिरने लगी है। इसका बोध हमें इस बार नारी जुटान कार्यक्रम में किशोरियों की प्रस्तुतियों को तैयार करने के दौरान कई बार हुआ। कह सकते हैं कि सोशल मिडिया में किसी भी प्रकार से अपनी उपस्थिति दर्ज कराने को लेकर आज ग्रामीण पृष्ठभूमि की किशोरियों की जो चाह है उसके कारण वह न केवल एक अलग प्रकार की मानसिक पृथकता की शिकार हो रही हैं बल्कि उनमें सामूहिक रूप से कुछ सीखने और उसका अभ्यास करने की जो प्रवृति थी वह भी अब धीरे धीरे नष्ट हो रही है जिसे एक खतरनाक संकेत माना जा सकता है। जाहिर है यह वातावरण उन किशोरियों को अधिक हतोत्साहित करता है जो स्वभावतः समूह में मिलकर कुछ नया सोचने और उसे अभिव्यक्त करने की इच्छा रखती हैं। नारी जुटान कार्यक्रम की तैयारी के दौरान हमने इसे और तीव्रतर रूप में महसूस किया कि हमारी कुछ किशोरियां जहाँ अपनी रचनात्मकता को विस्तार देने के लिए अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर जब भी कुछ गतिविधि शुरू करती हैं तो इसके प्रति वितृष्णा का भाव दोनों खेमो में उभरने लगता है। एक तरफ परिवार और समुदाय के पुरुष इसकी अलग अलग कारणों का उल्लेख करते हुए भर्त्सना करने लगते हैं वहीँ दूसरी ओर उसी समूह या समुदाय की कुछ किशोरियां भी इसे अपने तरीके से नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही होती हैं जिसके कारण अंततः उत्साहित किशोरियां कार्यक्रम की तैयारी में भाग लेने से पीछे हटने लगती हैं। इन मौजूदा परिस्थितियों में हमारे प्रयासों की सार्थकता का मूल्यांकन करते हुए हमें

यह महसूस होता है कि समुदाय प्रक्रिया के विकास में अनुकूलता और प्रतिकूलता की परिस्थिति निरंतर सामने आने वाली चुनौतियां होती हैं जिसे करने के लिए हर बार नए सिरे से प्रयास करना पड़ता है ।

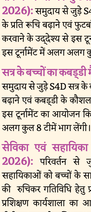

फ़रवरी एवं मार्च माह के प्रमुख कार्यक्रम

कितबवा कार्यशाला (11 फ़रवरी 2026): पुस्तकालय से जुड़े शिक्षकों एवम बच्चों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला के दौरान अलग अलग गतिविधि के माध्यम से शिक्षकों को यह समझाने का प्रयास किया जायेगा कि हम ज़्यादा से ज्यादा बच्चों का जुड़ाव पुस्तकालय से कैसे बढ़ा सकते हैं।

विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला (10-11 फ़रवरी 2026):अगस्त्य अन्तर्राष्ट्रीय संस्था एवं परिवर्तन के साझा समन्वयन में परिवर्तन कार्यक्षेत्र के अलग अलग कुल 20 विद्यालयों के विज्ञान शिक्षक के साथ इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से विज्ञान की प्रायोगिक संभावनाओं पर जोर देते हुए परियोजना आधारित सीख, मॉडल निर्माण एवं अन्य बिंदुओं को कवर किया जायेगा।

किसान मेला (13 फ़रवरी 2026): परिवर्तन से जुड़े किसानों के लिए एक बृहद स्तर के किसान मेला का आयोजन किया जायेगा जिसमें कृषि से जुड़ी लगभग 80 अलग अलग कंपनियों के स्टाल लगाये जायेंगे एवं कृषि उत्पाद सहित आवश्यक जानकारियों को किसानो के साथ साझा किया जायेगा। इसी दौरान किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया जायेगा जिसमें किसानों एवं वैज्ञानिकों की आपसी बातचीत होगी एवं कृषि सम्बंधित कई नयी जानकारियां साझा की जाएँगी।

गुनगुन कार्यशाला (14 फ़रवरी 2026): बालघर आँगन से जुड़े आंगनबाड़ी का वैसा केंद्र जहाँ से बच्चों का आना परिवर्तन परिसर में नहीं होता है उन्ही बच्चों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला में स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका एवं सहायिका मुख्य संचालक होंगी। इनके माध्यम से बच्चों के साथ कई रोचक गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा जिसका प्रशिक्षण वो परिवर्तन में प्राप्त की हैं।

ग्राम स्तरीय किशोरी संगोष्ठी कार्यशाला (15 फ़रवरी 2026): जागृति महिला समाख्या के किशोरी समूह से जुड़ी किशोरियों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला में किशोरी के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर बातचीत होगी एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्हें इस विषय पर जागरूक करने का प्रयास भी किया जायेगा।

नुक्कड़ प्रदर्शन (17-20 फ़रवरी 2026): परिवर्तन रंगमंडली द्वारा समय समय पर अलग अलग विषय पर समुदाय की जागरूकता हेतु नुक्कड़ प्रदर्शन का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में इस बार भी अलग अलग कुल 8 गाँवों में स्वच्छता आधारित नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जायेगा।

पुस्तकालय प्रशिक्षण (17-21 फ़रवरी 2026): बुकवर्म संस्था एवं परिवर्तन के संयुक्त तत्वाधान में पुस्तकालय उद्देश्य एवं अभ्यास कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला में कई रोचक गतिविधियों में माध्यम से पुस्तकालय को और अधिक जीवंत एवं उससे बच्चों के जुड़ाव को मजबूत करने का प्रयास किया जायेगा। इस कार्यशाला में देश के अलग अलग हिस्सों से लगभग 30 प्रतिभागी भाग लेंगे।

सत्र के बच्चों का फुटबॉल टूर्नामेंट (21-22 फ़रवरी 2026): समुदाय से जुड़े S4D सत्र के बच्चों की फुटबॉल खेल के प्रति रूचि बढ़ाने एवं फुटबॉल के तकनीकी कौशल से अवगत करवाने के उद्देश्य से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जायेगा। इस टूर्नामेंट में अलग अलग कुल 8 टीमें भाग लेंगी।

सत्र के बच्चों का कबड्डी मैच (25-27 फ़रवरी 2026): समुदाय से जुड़े S4D सत्र के बच्चों की कबड्डी खेल के प्रति रूचि बढ़ाने एवं कबड्डी के कौशल से अवगत करवाने के उद्देश्य से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जायेगा। इस टूर्नामेंट में अलग अलग कुल 8 टीमें भाग लेंगी।

सेविका एवं सहायिका प्रशिक्षण (25-27 फ़रवरी 2026): परिवर्तन से जुड़ी आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को बच्चों के साथ किये जाने वाली विभिन्न प्रकार की रुचिकर गतिविधि हेतु प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से इस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन होगा। इस कार्यशाला में डीपीएस पटना के प्रशिक्षक भाग लेंगे जिनके द्वारा सेविकाओं को प्रशिक्षित किया जायेगा एवं परिवर्तन टीम द्वारा सहायिकाओं का प्रशिक्षण होगा।

विद्यालय स्तरीय मॉडल प्रयोग प्रदर्शन व्याख्यान कार्यक्रम (28 फ़रवरी 2026):विज्ञान की प्रायोगिक समझ को बढ़ाने एवं मॉडल निर्माण हेतु बच्चों को प्रोत्साहित करने एवं शिक्षकों में उत्साहवर्धन हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन अलग अलग विद्यालयों में किया जायेगा। इस कार्यक्रम का सञ्चालन विद्यालय प्रबंधन द्वारा किया जायेगा जिसमें स्थानीय विद्यालयों के बच्चे भाग लेंगे।

अंतर्राष्टीय महिला दिवस सह पंचायत स्तरीय महिला समागम (7 मार्च 2026): जागृति महिला समाख्या से जुड़ी मियां भटकन एवम भरौली पंचायत की महिलाओं के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें महिला दिवस के उद्देश्यों एवं आवश्यकता पर बात होगी साथ ही साथ महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में बेहतर योगदान देने वाली महिलाओं के कार्य एवं संस्थाओं के कार्यों से सभी को रूबरू करवाया जायेगा।

पोषण स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम (10 मार्च 2026):विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को उनके स्वास्थ्य एवं शरीर के लिए आवश्यक पोषकतत्व के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें शरीर के लिए आवश्यक पोषकतत्व का डेमो प्रदर्शन भी किया जायेगा ।